बुधवार
02 अप्रैल 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 64
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दुकान में मिला शव, हत्या की आशंका

संवाददाता

देहरादून। संदिग्ध स्थिति में दुकान में शव मिलने क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। स्थानीय लोग हत्या की आशंका जता रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोतीबाजार स्थिति टमाटर वाली गली में नाले के पास रहने वाले हरि मिनोचा ने अपने मकान के नीचे दुकानें बना रखी है तथा उन दुकानों को रहने के लिए किराये पर दे रखा है।

आज प्रात: हरि मिनोचा के बेटे ने मकान के नीचे स्थित एक दुकान का शटर थोडा सा खुला देखा तो उसने शटर उठा कर देखा तो उसके होश उड गये। उसने देखा कि वहां पर किराये पर रहने वाला मदन सिंह पंवार मुंह के बल लेटा हुआ था। उसने उसको पास से देखा तो वह मरा हुआ था। उसने तत्काल इसकी सूचना अपने पिता हरि मिनोचा को दी। सूचना मिलते ही हरि भी वहां पर पहुंचा तो मदन को मरा देखा तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही शहर कोतवाल चन्द्रभान सिंह अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मौके पर पहुंच घटनास्थल का जायजा लिया तो मृतक के गले पर रूमान बंधा हुआ था तथा इसके अलावा पुलिस को कोई साक्ष्य नहीं मिले।

आसपास के लोगों से पूछताछ में पुलिस को पता चला कि मृतक एक प्राइवेट कम्पनी में सेल्समैन का काम करता था तथा रोज रात्रि 12 से एक बजे के दौरान ही कमरे में आता था। कुछ समय से इसके साथ एक महिला भी लिव इन में रहती थी तथा कुछ समय से उसको नहीं देखा गया है। मृतक मूल रूप से कंडोली गांव का रहने वाला था।

स्थानीय लोगों का मानना है कि रूमाल से गला घोंटकर उसकी हत्या की गयी है। पुलिस के अनुसार मामला संदिग्ध प्रतीत होता है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पायेगी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

नाम में ही तो सब कुछ है

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के लोकप्रियता का ग्राफ जिस तेजी से छलागें भर रहा है वह बेवजह नहीं है। उनके द्वारा एक के बाद एक फैसले जिस तेज गति से लिए जा रहे हैं तथा बड़े से बड़े फैसले लेने में भी किसी तरह की हिचक नहीं की जा रही है उनके समर्थकों की नजर में यही उनकी कामयाबी की असल वजह बताई जा रही है तथा वह उनके फैसलों पर खूब जश्न मनाते भी दिख रहे हैं। भले ही हम और आप यह सुनते आए हो कि नाम में क्या रखा है? लेकिन आज के दौर में इसका मतलब और मायने पूरी तरह से बदल चुके हैं। सच यही है कि नाम में ही सब कुछ रखा है। नाम बड़ा हो तो फिर काम के कोई मायने नहीं रहते हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देश के सशक्त और प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में 65 वे स्थान पर छलांग मार कर 31वें स्थान पर पहुंच चुके हैं और उन्होंने बड़े-बड़े दिग्गजों को पीछे छोड़कर यह बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने बॉलीवुड स्टार सदी के महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन को भी पीछे छोड़ दिया है उनकी यह उपलब्धि उन्हें उनके बड़े-बड़े फैसलों के कारण ही मिली है जिसमें उनके द्वारा उत्तराखंड में यूसीसी किया जाना भी शामिल है। यूं तो उन्होंने नकल विरोधी कानून और भू कानून लाने के साथ दंगाइयों की संपत्ति से नुकसान की भरपाई करने तथा राज्य की डेमोग्राफी की हिफाजत के लिए मजार और धार्मिक संरचनाओं पर बुलडोजर कार्रवाई करने से लेकर धर्मांतरण कानून को और सशक्त बनाने सहित अनेक बड़े फैसले किए जिनसे उनकी छवि का ग्राफ शीर्ष नेतृत्व की नजर में काफी ऊपर पहुंच चुका है उनका अभी-अभी सामने आया एक फैसला जो नाम बदलने से जुड़ा हुआ है उसे लेकर धमाल मचा हुआ है। इस फैसले से जिसमें उनके द्वारा राज्य की राजधानी देहरादून सहित चार जिलों के 15 स्थानों और दो मार्गों के नाम बदलने की घोषणा की गई है, चर्चाओं के केंद्र में है। खास बात यह है कि यह फैसला इसलिए भी अहम है क्योंकि इतने बड़े स्तर पर एक साथ नाम में बदलाव करने का साहस तो यूपी के सीएम योगी भी नहीं कर सके हैं। दूसरा कारण यह है कि जिन भी जगहों के नाम बदले गए हैं वह सभी मुगलकालीन नाम है। जिन्हें बदलकर अब सनातनी और संघ के सूत्र में पिरोया गया है। मुख्यमंत्री धामी का कहना है कि उनका यह फैसला उत्तराखंड की देव संस्कृति और जन भावनाओं के आधार पर ही किया गया है। लेकिन विपक्ष कांग्रेस के नेताओं द्वारा उनके इस फैसले को हिंदू-मुस्लिम की राजनीति से जोड़कर ही देखा जा रहा है लेकिन मुख्यमंत्री धामी का कहना है कि उनके फैसले को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है नाम बदलने के इस फैसले को लेकर कांग्रेस नेताओं का यह भी कहना है कि इसके लिए भाजपा नेताओं द्वारा स्थानीय लोगों की राय तक जानने की कोशिश नहीं की गई है तथा भाजपा के पास काम के नाम पर कुछ भी उपलब्धि नहीं इसलिए वह नाम की राजनीति कर रही है। लेकिन धामी और उनकी सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। आपने यह तो सुना ही होगा कि दुल्हन वही जो पिया मन भाये। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को इन फैसलों में कुछ गलत नहीं दिख रहा है। इसलिए यह फैसला धामी का ही नहीं सर्वप्रिय फैसला है।

श्री हनुमान सेना समिति ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

संवाददाता

देहरादून। श्री हनुमान सेना समिति ने हनुमान चालीसा का पाठ हर सप्ताह की भांति इस सप्ताह भी सम्पन्न किया।

आज यहां श्री हनुमान सेना समिति डांडीपुर द्वारा आयोजित सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ हर सप्ताह के भाति इस सप्ताह भी हुआ संपन्न 1 वर्ष से सुचारू रूप से चल रही हनुमान चालीसा का पाठ डांडीपुर मोहल्ले में आयोजित हनुमान सेना समिति एवं बालाजी महिला मंडल द्वारा आयोजित किया जा रहा है और आगे भी इसी तरह सुचारु रूप से चलाया जाएगा। यह अलख हम सबके प्रेरणादायक प्रेरणा स्रोत विकास वर्मा द्वारा जगाई गई है और समस्त डांडीपुर वासी आपको विश्वास दिलाते हैं कि आगे भी हनुमान चालीसा का पाठ सुचारू रूप से चलता रहेगा। इस अवसर पर समस्त युवा साथी बुजुर्ग बहने हर हफ्ते अपने घर से समय निकालकर हनुमान चालीसा का पाठ करने आते हैं और संख्या भी अच्छी रहती है और आगे भी यह चालीसा कार्यक्रम चलता रहेगा। जब तक बालाजी की कृपा होगी जय श्री राम इस अवसर पर समस्त डांडीपुर वासी शामिल रहे।

विदेशी साधक की साधना भी गच्चा खा गई साइबर ठगों के आगे

साइबर ठगों ने की 30 लाख रूपए की ठगी

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी के डुंडा तहसील के ग्राम कुन्सी बरसाली में स्थित महर्षि आश्रम की है। जहां विदेशी साध क से साइबर ठगों ने 30 लाख रूपए की ठगी की है। मामले की प्रारंभिक जांच थाना कोतवाली के अंतर्गत पुलिस चौकी डुंडा के प्रभारी श्री प्रकाश सिंह राणा ने की और मामले की गंभीरता और इतनी बड़ी साइबर ठगी के चलते प्रकरण को साइबर क्राइम के अंतर्गत साइबर थाना देहरादून में पंजीकृत करवाया गया।

भारत में पिछले 30 वर्षों से योगा, ध्यान, साधना और भारतीय रहना सहन में रचे बसे एक अति पढ़े लिखे विदेशी को भनक तक नहीं लगी कि वह ठगी का शिकार हो रहा है। 68 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग के फर्जी केस की कहानी में साइबर ठगों ने कोलाबा पुलिस स्टेशन मुंबई से भारतीय खुफिया पुलिस अधि कारी बनकर विदेशी को इस कदर अपने जाल में उलझाया कि विदेशी उनके झांसे में आ गया।

जब यह विदेशी पूरी तरह से साइबर ठगों (जो कि फर्राटेदार अंग्रेजी भाषा के जानकर भी थे) के कालचक्र में फंस गया तो फिर डील हुई कि लेनदेन कैसे होनी है। विदेशी ने पहले अपने उत्तरकाशी स्थित दो अलग अलग बैंक अकाउंट में पैसे एक तीसरे बैंक से ट्रांसफर किए।

विदेशी से ऑनलाइन ठगी कर साइबर अपराधियों ने विदेशी से पहले 4 मार्च 2025 को 11 लाख रुपए और 6 मार्च 2025 को 19 लाख 50 हजार 76 रुपए ऑनलाइन ठग लिए। ये सारी रकम उत्तरकाशी स्थित एक्सीस बैंक के अकाउंट से बंधन बैंक में साइबर अपराधियों के खातों में बाकायदा अकाउंट नंबर और IFC कोड के साथ हुई है।

एक बड़ी रकम चुकाने के बाद जब उसे साइबर ठगों का शेष 36 लाख रुपयों के भुगतान के लिए व्हाट्सएप काल आया तो विदेशी ने शेष रकम चुकाने से पूर्व अपने कुछ जर्मन स्थित आश्रम में

अपने मित्रों अल्फ्रेड और सोरेन से मामले को साझा किया तो उसके होश उड़ गए जब उसके दोस्तों ने उसे बताया कि वह साइबर ठगों के चंगुल में है। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और साइबर ठग 30 लाख रुपए ठग चुके थे लेकिन गनीमत ये रही कि विदेशी साधक के 36 लाख रुपए बच गए गनीमत है।

दरअसल पिछले लगभग 30 वर्षों से जर्मन निवासी 83 वर्षीय हर्मन हेनरिच रोडर उत्तरकाशी जिले के डुंडा तहसील के ग्राम कुन्सी बरसाली में महर्षि आश्रम में योग ध्यान और साधना करने में तल्लीन हैं।

आश्रम में एक नहीं लगभग 50 विदेशी पुरुष पिछले 30 वर्षों से योग ध्यान और साधना के लिए निवासरत हैं।

महेश योगी महर्षि जी के दुनियाभर ने हजारों लाखों शिष्य हैं जो अपना सब कुछ त्याग छोड़ छाड़कर महर्षि जी के शरण में ध्यान योग शांति और साधना के लिए आ गए।

महर्षि जी के देश दुनियां में एक नहीं सैकड़ों आश्रमों की श्रृंखला हैं। अकेले उत्तरकाशी जिले में इस तरह के दो आश्रम हैं। इसके अलावा स्कूल और दूसरे विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के भी केंद्र हैं।

ये विदेशी लोग अपना सबकुछ महर्षि जी और उनकी संस्था को समर्पण और समर्पित कर इन्हीं आश्रमों में साधक के रूप में डेरा डाले रहते हैं। आधुनिक सुख सुविधाओं से सुसज्जित इन आश्रमों में खाने पीने ओर रहने की उम्दा व्यवस्था होती है जैसे किसी पांच सितारा होटलों में होती है।

समय से योग ध्यान और साधना के अलावा ये लोग एकांत में विचरण करते रहते हैं और इनके नियमित भोजन आदि की व्यवस्था आश्रम प्रबंधन की तरफ से की जाती है। महर्षि जी के इन शिष्यों में दुनियाभर के अलग अलग देशों के लोग शामिल रहते हैं। ऊंचे दर्जे की पढ़ाई लिखाई के बाद महर्षि जी का आकर्षण इनको अपनी ओर खींच लेता है और योग ध्यान और शांति के लिए ये ध नाढ्य श्रेणी के करोड़पति अरबपति लोग अपना सर्वस्व त्यागकर महर्षि जी के आश्रमों में चले आते हैं। सफेद कपड़ों में घूमते फिरते ये महर्षि जी के साधक अनुयाई सभी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इन विदेशियों में गरीब श्रेणी का कोई अनुयाई नहीं होता है। इन्हीं में से एक है 83 वर्षीय हर्मन हेनरिच रोडर है जो साइबर ठगों का शिकार हो गया।

फायदा पहुंचाने के लिए निजी नाप भूमि में खनन की दी गई थी छूटः मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि माफियाओं को फायदा पहुंचाने के लिए निजी नाम भूमि में खननकी छूट दी गयी थी।

जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि धामी सरकार द्वारा अपना पहला कार्यकाल जुलाई 2021 संभालते ही खनन माफियाओं का एहसान उतारने के उद्देश्य से मात्र तीन माह के भीतर ही खनन माफियाओं को फायदा पहुंचाने के लिए उत्तराखंड खनन नीति 2021 में भारी बदलाव कर खनन कारोबार कराने के उद्देश्य से नदी किनारे निजी नाप भूमि में समतलीकरण, रीसाइक्लिंग टैंक, मत्स्य तालाब निर्माण को खनन परिभाषा से बाहर कर इनको जारी लाइसेंस की अवधि एक वर्ष से बढाकर 5 वर्ष कर दिया गया तथा पर्यावरणीय अनुमति की भी आवश्यकता को नकार दिया गया। इसके साथ-साथ इनको फायदा पहुंचाने के लिए अन्य स्रोतों से प्राप्त रॉयल्टी 506 प्रति टन के स्थान पर 70 कर दिया गया एवं भारी मशीनों को भी नदियों का चीर हरण करने की अनुमति प्रदान की गई थी, जिससे सरकार को हजारों करोड रुपए राजस्व की हानि हुई तथा और

अधिक होने की संभावना थी। उक्त घोटाले व खनन नीति बदलाव को लेकर योजित जनहित याचिका संख्या 90/ 2020 में उच्च न्यायालय द्वारा सरकार को खनन क्रियाएं रोकने के निर्देश 30 मार्च 22 के द्वारा दिए थे। इसी प्रकार एक अन्य जनहित याचिका में उच्च न्यायालय द्वारा द्वारा 31 मार्च 23 को सरकार व सीबीआई को नोटिस जारी किया गया था तत्पश्चात खनन नीति रद्द कर दी थी तथा इस महा घोटाले को टूजी स्पेक्ट्रम घोटाले के समान माना था। नेगी ने कहा कि माफियाओं का अहित देख धामी सरकार ने आनन- फानन में उक्त फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में एसएलपी योजित कर दी, जिसमें सरकार की बहुत किरकिरी हुई और सरकार द्वारा 11 सितम्बर 23 को अपनी एसएलपी वापस ले ली। उस समय सरकार को चाहिए था कि उच्च न्यायालय के निर्देशों का जनहित में पालन करते, लेकिन पालन नहीं किया। उक्त कृत्य से सरकार और खनन माफियाओं की मिलीभगत /यारी जग जाहिर हो गई थी। क्यों सरकार द्वारा प्रदेश की छवि को ध ूमिल करने का काम किया गया। आलम यह है कि प्रदेश में सिर्फ और सिर्फ माफियाओं को लाभ पहुंचने के लिए ही उनके मन माफिक नीतियां बन रही हैं। मोर्चा सरकार की खनन माफियाओं से यारी का आगे भी पोस्टमार्टम करता रहेगा।

पत्रकार वार्ता में दिलबाग सिंह व प्रवीण शर्मा पिन्नी मौजूद थे।

चेहरे के बाल कर रहे है शर्मिंदा तो ये नेचुरल रिमूवर है बड़े असरकारक

बाल हमारे शरीर के एक महत्वपूर्ण हिस्सा है बाल स्किन को जलवायु परिवर्तन ,बैक्टीरिया जैसी बाहरी कारकों से बचाने में जरूरी भूमिका निभाते हैं लेकिन हमारे शरीर के कई हिस्से पर ऐसे बाल होते हैं जो आत्म विश्वास को कम कर सकता है साथ हमारे चेहरे की सुंदरता को भी खराब कर देते हैं शरीर में हार्मोन संतुलन संतुलन के अवस्थाओं के बाद या कुछ चिंताओं के कारण चेहरे के अनचाहे बाल बढ़ सकते हैं आज अब आपको चेहरे के बालों को हटाने की कुछ नेचुरल उपाय बताते हैं।

दाल का फेस पैक ल्लाल मसूर की दाल का चिकना पेस्ट बनाकर दाल का फेसपैक तैयार करें इस पैक को विपरीत दिशा में स्क्रब करे जहाँ अनचाहे बाल हैं वहां आपके चेहरे पर घृश्न पैदा होता है धीरे-धीरे और बालों को हटा देता जो आप नहीं चाहते हैं ।

नींबू का रस और शहद ञ्शहद और नींबू के रस का एक फेस पैक आपकी स्किन से चिपक जाता है आपकी त्वचा से धीरे-धीरे छिलने पर बालों के विकास को दूर करने में मदद करता है शहद में हाइड्रेटिंग और मॉइश्चराइजिंग गुण होते हैं जो स्किन को चिकना और मुलायम बनाने में मदद करेंगे हां वही नींबू का रस आपकी स्किन को साफ करता है और आपकी त्वचा के छिद्रों को कसने में मदद करता है यहआपके चेहरे के और सारे शरीर के अन्य अंगों के बालों को भी हल्का करता है।

हल्दी ञ्हल्दी एंटी-सेप्टिक और एंटी-बैक्टीरियल गुणों के लिए जानी जाती है लेकिन हल्दी आपके चेहरों पर बालों को बढ़ने से रोकने में मददगार है यह विशेष रुप से आपकी शरीर के घने बालों को हटाने का काम करता है।

घुटनो और कोहनी के कालेपन को दूर करने के लिए फॉलो करे इन सरल टिप्स को

अक्सर लोग अपने स्किन और हेल्थ की देखभाल ज्यादा करते है लेकिन गर्मी में कई बार त्वचा कलाई और डार्क घुटने,कोहनी और अंडर आर्म्स से जुडी समस्या होने लगती है इस मौसम में कई बार कोहनी और घुटने का काले हो जाते है इसके कई कारन होते है लेकिन आपको बता दे की इस समस्या से बचने के लिए कुछ इसी टिप्स है जिससे त्वचा खूबसूरत दिखती है और डार्क घुटने कोहनी की समस्या दूर होती है तो चलिए जानते है इनके बारे में

फ्रिक्शन कम करे-कई बार काम काज करते समय अपने पेरो को काफी देर तक मोड़े रखते है जिसके कारन इनमे फ्रिक्शन हो जाता है जो डार्क स्किन का रूप लेता है ऐसे में इससे समस्या से बचने के लिए अपने जॉइंट्स को फ्रिक्शन कम करे इससे डार्क स्किन की समस्या दूर रहती है। विटामिन ए और ई का इस्तेमाल करे- अगर आप विटामिन ए और ई का नियमित इस्तेमाल करते है तो आपको काफी फायदा होगा इससे स्किन के पिगमेंट नहीं बढ़ते है और डार्क स्किन की समस्या दूर होती है इसके लिए गाजर,शकरकंद जैसी चीजे लाभदायक है।

गर्मियों में जमकर खाएं तरबूज, होंगे फायदे

गर्मी में आने वाला फल तरबूज न सिर्फ स्वाद में बढ़िया होता है बल्कि यह शरीर को भी कई तरह से फायदा पहुंचाता है। इसलिए गर्मियों में इस फल को अपने आहार में जरूर शामिल करें।

मिलता है भरपूर हाइड्रेशन

गर्मियों में सबसे बड़ी समस्या हाइड्रेशन की रहती है। इस परेशानी से निपटने में तरबूज काफी मदद कर सकता है। इस फल में 92त्न लिच्ि ड होता है जिससे बॉडी को पर्याप्त हाइड्रेशन मिलता है।

पोषक तत्वों से भरपूर

तरबूज में विटमिन सी, विटमिन ए, पोटैशियम, मैग्नीशियम, विटमिन बी1, विटमिन बी5, विटमिन बी6 जैसे पोषक तत्वों के साथ ही ऐंटीऑक्सिडेंट प्रॉपर्टीज भी हैं जो शरीर के लिए अच्छे होते हैं।

वजन कम करने में मिलती है मदद

तरबूज से वजन कम करने में भी मदद मिलती है। इसमें मौजद पानी और फाइबर पेट को भरा रखते हैं, जिससे डायट कंट्रोल होती है और वेट लॉस होता है। तरबूज में इलेक्ट्रलाइट्स होते हैं जो शरीर को लू लगने से बचाते हैं। तरबूज की यह खास प्रॉपर्टी बॉडी को बाहरी गर्मी से लड़ने में मदद करती है और शरीर को कूल रखती है।

कैसे अपना सकते हैं सेहतमंद और सेफ डाइट

भोजन सेहतमंद तो होना ही चाहिए, सुरक्षित भी होना चाहिए, ताकि वह सेहत बनाने की बजाय उसे नुकसान न पहुंचाने लगे।

अपनी सेहत को लेकर हर कोई फिक्रमंद होता है, इसलिए लोग कई तरह की डाइट को फॉलो करना शुरू कर देते हैं, जो सेहत पर ज्यादा बुरा असर डालती है। इसके लिए डाइट से जुड़ी सामान्य गलतियों पर नजर रखना बहुत जरूरी हो जाता है।

खाना कम, वजन कम

अधिकांश लोगों की यह सोच होती है कि वजन कम करने का सबसे अच्छा तरीका होता है खाने को त्याग देना, लेकिन यह डाइटिंग की सबसे बड़ी गलती होती है। व्यक्ति को दिन में तीन बार ठीक से खाना चाहिए और तीन बार हैल्दी स्नैक्स लेने चाहिएं।

व्यायाम है बहुत जरूरी

यदि आप बहुत दिनों बाद व्यायाम करना शुरू करने वाले हैं तो एकदम से ट्रेडमिल पर दौड़ना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। इससे जिंदगी भर रहने वाला दर्द आपको जकड़ सकता है। अधिकांश लोग यह सोचते हैं कि जितना व्यायाम करेंगे, उतने ही सेहतमंद बने रहेंगे, जो गलत सोच है। इससे अच्छा होगा कि आप रोजाना 45 मिनट तक पैदल दौड़ लगाएं।

नमक हो संतुलित

अधिकांश लोग सोचते हैं कि नमक का त्याग कर देने से व्यक्ति सेहतमंद बना रहता है, इसलिए वे सिर्फ फल और दूध या जूस पर ही रहते हैं, जो गलत आइडिया है। इससे निम्न रक्तचाप और डायबिटीज की शिकायत हो सकती है। इसलिए रोजाना चलने वाली डाइट को चलने दें। हफ्ते में एक बार रात में बिना नमक के फल, सलाद व दूध या जूस ले सकते हैं।

समय पर भोजन करें

अपने खाने का समय निर्धारित कर लें। वजन कम करने के लिए जितनी कैलरी कम करने की कोशिश करते हैं, उतनी ही बढ़ती रहती है। चूंकि बिना समय के चिप्स, स्नैक्स, नमकीन खाते रहते हैं, इससे आपकी पाचन शक्ति खराब हो जाती है। इसलिए इसे नजरअंदाज न करें।

सोते समय खाना-पीना ठीक नहीं

रात के खाने के बाद, चलो चाय या कॉफी और मैगी हो जाए वाला फंडा ठीक नहीं। इसकी जगह ग्रीन टी, गर्म पानी या गर्म दूध लेना ज्यादा फायदेमंद होगा। इससे आपके सिस्टम को भी आराम मिलेगा।

नाश्ता करें हल्का

शाम होते ही बिना सोचे कुछ भी खाना शुरू हो जाता है, जिससे कैलरी काफी बढ़ जाती है। ऐसे में नमकीन, बिस्किट खाने से अच्छा होगा भुने हुए चने, स्वीटकॉर्न आदि लें।

खाना खाने के बाद भूलकर भी न करें ये काम

खाना खाने के बाद स्वाभाविक रूप से नींद आने लगती है। कई बार थकावट इतनी बढ़ जाती है कि बिस्तर दिखते ही सो जाने का मन करता है। लेकिन खाना-खाने के बाद कई ऐसी आदतें हैं जिनसे बचना सेहत के लिये संजीवनी की तरह है। खाने के बाद चाय-सिगरेट आदि का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिये। जब तक खाना अच्छी तरह पच न जाए और उसके पोषक तत्व अवशोषित ना हो जाएं पोषण की प्रक्रिया पूरी नहीं होती।

यहां हम आपको ऐसी आदतें बता रहे हैं जिन्हें खाने के ठीक बाद करना खतरनाक साबित हो सकता है। अगर आप भी कुछ ऐसा करते हैं तो अच्छी सेहत के लिए अब इन्हें करना छोड़ दें।

खाने को पचने में कुछ वक्त लगता है। ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि खाने के तुरंत बाद सोएं नहीं। इससे गैस और आंतों में संक्रमण होने की आशंका बढ़ जाती है।

सिगरेट पीना अपने आप में एक बुरी लत है, जिससे हार्ट और सांस संबंधी कई तरह की बीमारियां घर कर जाती हैं। एक्सपर्ट्स की मानें तो खाने के ठीक बाद स्मोक करना दस गुना खतरनाक हो सकता है। साथ ही इससे कैंसर का खतरा भी काफी बढ़ जाता है।

नहाने के दौरान हाथ और पैर सक्रिय अवस्था में होते हैं जिससे इन अंगों का रक्त संचार काफी बढ़ जाता है। इन अंगों में रक्त संचार बढ़ने से पेट में रुधिर प्रवाह पर असर पड़ता है और पाचन क्रिया प्रभावित होती है।

अगर आप खाने के साथ ही फल खाते हैं तो फल पेट में ही चिपक जाते हैं और सही तरीके से आंतों तक नहीं पहुंच पाते हैं। ऐसे में उनसे मिलने वाला पोषण अधूरा ही रह जाता है। इसी आधार पर कहा जाता है कि खाने के करीब एक घंटे बाद फलों का सेवन करना चाहिए। सुबह खाली पेट फल खाना सबसे अच्छा है।

कैसे लगायें डार्क रंग की लिपस्टिक

जब मेकअप की बात आती है तो हम सभी इसका समर्थन करते हैं और आधुनिक ट्रेंड के साथ जाना चाहते हैं। कुछ ऐसे उत्पाद और रंग होते हैं जिनके उपयोग से आपके लुक में बहुत अधिक बदलाव दिखाई देता है।

डार्क लिपस्टिक एक ऐसी ही एक चीज़ है। डार्क लिपस्टिक लगाना सामान्यत: भयभीत करने वाला माना जाता है तथा यह एक सशक्ता भी प्रदान करता है अत: इसे अच्छे से लगाना बहुत महत्वपूर्ण है। इस लेख में हम आपको बताएँगे कि डार्क रंग की लिपस्टिक कैसे लगायें। डार्क लिपस्टिक का चुनाव करना एक निर्भीक कदम माना जाता है। रंग का चुनाव करना भी महत्वपूर्ण होता है अत: आपको रंगों के ऊपर भी ध्यान होगा।

उदाहरण के लिए जब तक आप काले रंग की लिपस्टिक नहीं लगायेंगे तब तक आप नहीं जान पायेंगे कि यह कैसी दिखती है। आखिरकार ये सब उपाय आपकी सुंदरता को बढ़ाने के लिए ही तो किये जा रहे हैं। डार्क रंग की लिपस्टिक कैसे लगायें यह जानने के लिए यह लेख पढ़ें।

होंठो की लाइनिंग करें पहले होंठों की सूखी परत निकाल लें तथा लिप बाम लगाकर उन्हें मॉस्चराइज़ करें। इसके बाद लिप पेन्सिल का उपयोग करें। इस लिप लाईनर की सहायता से होंठों की सीमा बनायें। आप सामान्य लिप लाईनर या न दिखने वाले लिप लाईनर का उपयोग कर सकती हैं।

होंठों को भरें सामान्यत: लिपस्टिक के बजाय लिप लाईनर अधिक समय तक टिकता है। अत: इस बात का ध्यान रखें कि लिपस्टिक लगाने के पहले लिप लाईनर अवश्य लगायें। इससे यदि आपकी लिपस्टिक थोड़ी हल्की भी हो गयी तो भी लिप लाईनर के कारण वह एक समान दिखेगी। अत: पहले लिप लाईनर का उपयोग करना महत्वपूर्ण है।

खून में घुल चुका है यूरिक एसिड तो बाहर निकालने के लिए खाएं ये फल

यूरिक एसिड खून में पाया जाने वाला एक गंदा पदार्थ है। जी दरअसल यह तब बनता है जब शरीर प्यूरीन नाम के रसायनों को तोड़ता है। आपको बता दें कि यूरिक एसिड खून में घुल जाता है और किडनी से होकर टॉयलेट के साथ निकल जाता है लेकिन कई बार यह निकल नहीं पाता और खून में जमा होता रहता है इससे आपको हाइपरयूरिसीमिया नाम की बीमारी का खतरा हो सकता है हाइपरयूरिसीमिया बीमारी की वजह से यूरिक एसिड क्रिस्टल का रूप ले लेता है और ये क्रिस्टल जोड़ों में जमा हो जाते हैं और गठिया गाउट का कारण भी बन सकते हैं। जी दरअसल कई बार ये किडनी में भी जा सकते हैं पथरी भी बना सकते हैं। हालाँकि यूरिक एसिड से बचने का सबसे आसान उपाय यह है कि आप उन चीजों का सेवन न करें जिनमें प्यूरीन की मात्रा कम होती है। जी दरअसल यूरिक एसिड के लिए कई दवाएं और इलाज हैं लेकिन आप कुछ फलों को अपनी डाइट में शामिल करके नैचुरली इसका लेवल कम कर सकते हैं।

सिट्रस फरूट्स

अंगूर, संतरा, अनानास और स्ट्रॉबेरी जैसे फलों में विटामिन सी पाया जाता है जो आपके यूरिक एसिड लेवल को कम करते हैं। इसी के साथ गाउट के जोखिम को भी रोकने में मदद करते हैं हालाँकि अगर आप अपने गठिया के लिए %कोल्सीसिन% दवा लेते हैं तो अंगूर न खाएं क्योंकि यह आपकी दवा के असर को कम कर सकता है।

एवोकैडो

अगर आप यूरिक एसिड को कम करना चाहते हैं तो अपनी डाइट में एवोकैडो शामिल कीजिये। जी दरअसल यह एंटीऑक्सीडेंट का एक बेहतर स्रोत है। आपको बता दें कि एवोकाडो में विटामिन ई की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो एक एंटी-इंफ्लेमेटरी है जो गाउट को रोकने में मदद कर सकता है।

एप्पल

सेब में फाइबर की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो यूरिक एसिड लेवल को कम करने में मदद करती है। इसी के साथ फाइबर आपके शरीर से अतिरिक्त यूरिक एसिड को खत्म करता है। वहीं सेब में मैलिक एसिड होते हैं जो शरीर में यूरिक एसिड के प्रभाव को बेअसर कर देते हैं।

च्विंगम चबाने से होते हैं लाजवाब फायदे

अक्सर आपको लोग च्विंगम चबाते होंगे या आपको ऐसे लोग दिख जाते होंगे जो च्विंगम चबाते होंगे। जी दरअसल च्विंगम चबाने से मसूड़ों और सिर पर काफी प्रभाव पड़ता है। कई लोग खाली समय चुइंगम चबाना या किसी काम को करते वक्त चुइंगम चबाना पसंद करते हैं। अब आज हम आपको बताने जा रहे हैं च्विंगम चबाने के फायदे।

च्विंगम चबाने के फायदे

जी दरअसल लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के शोध के अनुसार दोपहर का खाना खाने के बाद जो लोग च्विंगम चबाते हैं, उन्हें पूरे दिन भूख कम लगती है। केवल यही नहीं बल्कि इसके अलावा वह लोग अधिक कैलोरी वाले खाने-पीने के सामान को खाने से बचते हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया में ब्रिटिश साइंसेज इंस्टिट्यूट के प्रोफेसर एंड्रयू शोले का कहना है कि च्विंगम चबाने से शॉर्ट टर्म मेमोरी की समस्या में 35 प्रतिशत से अधिक का सुधार होता है। लेकिन क्या आपको पता है कि च्विंगम चबाने के दौरान दिमाग में खून का प्रवाह भी अच्छे से होता है।

पाचन क्रिया भी बेहतर

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार च्विंगम चबाने से तनाव कम होता है। केवल यही नहीं बल्कि लोग इसे चबाने के समय घबराहट महसूस नहीं करते। जी दरअसल च्विंगम चबाने के दौरान मुंह में थूक अधिक आता है। यह डायजेस्टिव एसिड को पेट से मुंह में आने से रोकता है। जी हाँ और यही कारण है कि खाना आसानी से पच जाता है और पाचन क्रिया भी बेहतर होती है।

डबल चिन से रहत- कई लोग ओरल हेल्थ को लेकर भी बहुत परेशान रहते हैं। वहीं च्विंगम चबाने से दांतों की सड़न व मुंह से बुरी दुर्गंध समाप्त हो जाती है। इसके अलावा ऊपर से दांत भी साफ रहते हैं। वहीं जिन लोगों को डबल चिन होती है यानि गले के पास मोटापा दिखने लगता है, उनके लिए चुइंगम चबाना एक्सरसाइज जैसा है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पीएम जनमन योजना से बैगा परिवारों की बदल रही तस्वीर और तकदीर

नसीम अहमद खान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए संचालित पीएम जनमन योजना (प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान) के चलते छत्तीसगढ़ राज्य के अति पिछड़े जनजातीय समुदाय तकदीर और इनकी बसाहटों की तस्वीर तेजी से बदलने लगी है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के रहवासी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विकास होने लगा है। बरसों-बरस से आवास, स्वच्छ पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक़, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित इन जनजातीय समूहों को अब मिशन मोड में यह बुनियादी सुविधाएं सुभल होने लगी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पीएम जनमन योजना के सफल क्रियान्वयन से राज्य के सभी विशेष पिछड़ी जनजातीय इलाकों में बुनियादी विकास एवं निर्माण के कार्य तेजी से कराये जा रहे है। राज्य में पीएम जनमन योजना को शुरू हुए अभी एक साल का भी अरसा पूरा नहीं हुआ है, फिर भी छत्तीसगढ़ सरकार की प्रतिबद्धता के चलते इसके सार्थक परिणाम दिखाई देने लगे है। कबीरधाम जिले में प्रधानमंत्री जनमन योजना के चलते बैगा समुदाय की तकदीर और इनकी बसाहटों की तस्वीर बदलने लगी है।

छत्तीसगढ़ राज्य के उत्तर-पश्चिम भाग में स्थित कबीरधाम, राजनांदगांव, मुंगेली, बिलासपुर और कोरिया जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के लोग निवास करते है। जनसंख्यात्मक दृष्टिकोण से बैगा, छत्तीसगढ़ राज्य की विशेष पिछड़ी जनजातियों में सर्वाधिक आबादी वाला जनजाति समुदाय है। छत्तीसगढ़ राज्य में उक्त 5 जिलों में बैगा समुदाय के 24 हजार 589 परिवार निवासरत है, जिसमें से लगभग 46 प्रतिशत यानि 11 हजार 261 परिवार कबीरधाम जिले में रहते हैं।

कबीरधाम जिले के बोड़ला एवं पंडरिया में बैगा समुदाय के लोग निवास करते हैं। इस समुदाय की 38 बसाहटों में निवासरत 255 परिवारों के घरों में विद्युत सुविधा से रौशन किया जा चुका है, जबकि 56 बैगा बसाहटों को जोडऩे के लिए 186.2० किलोमीटर लम्बाई वाली 47 सडक़ों के निर्माण के लिए 135.72 करोड़ रूपए की स्वीकृति दी गई है। इनमें से 42 सडक़ों के निर्माण प्रारंभ हो चुका है, जिसके अंतर्गत पक्की डामरीकृत सडक़ एवं नदी-नालों पर पुल-पुलियों का निर्माण जारी है।

कबीरधाम के पंडरिया विकासखंड के ग्राम भागड़ा, जामुनपानी, कामठी, कुई, मंगली सारपानी टाकटाईयां, बदना, गुडा, छिरहा, मुनमुना, नेउर और लालपुर में विशेष शिविर लगाकर बैगा समुदाय के लोगों के स्वास्थ्य एवं सिकलसेल की जांच के साथ ही 187० बैगा परिवारों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए हैं। इन गांवों के 86 गर्भवती माताओं का सुरक्षित प्रसव कराया गया। स्वास्थ के प्रति जन-जागरूकता का विशेष अभियान संचालित करने का यह परिणाम है कि अब बैगा समुदाय की महिलाएं भी प्रसव के लिए सरकारी अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों में बिना झिझक आने लगी है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खेती-किसानी के लिए दी जा रही मदद के चलते अब बैगा समुदाय के लोग बेवर खेती को छोड़ परंपरागत तौर-तरीकों से खेती-किसानी करने लगे है। बेवर खेती दरअसल झूम खेती है। बैगा समुदाय के लोग एक स्थान पर स्थायी तौर पर निवास न करने के कारण बेवर यानी झूम खेती किया करते थे। बिना ब्याज के कृषि ऋण, अनुदान पर कृषि यंत्रों सहित अन्य सुविधाएं मिलने की वजह से बैगा समुदाय के लोग अब बेवर खेती को छोड़ स्थायी खेती करने लगे है। कबीरधाम जिले में शासन द्वारा बैगा समुदाय के लोगों को किसान क्रेडिट कार्ड एवं खेती-किसानी के लिए इस वर्ष 11.7० लाख रूपए का कृषि ऋण दिया जा चुका है।

ग्राम दमगढ़ निवासी समेलाल बैगा के पास 5.5 एकड़ कृषि भूमि है। प्रधानमंत्री जनमन येाजना के तहत उन्होंने एक लाख रूपए ऋण लेकर अपनी कृषि भूमि पर धान की खेती के लायक बना दिया है। समेलाल का कहना है कि धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी और राशि का तत्काल भुगतान होने से उन्हें कृषि से लाभ होने लगा है। ग्राम रोखनी के राजकुमार बैगा के पास ०2 एकड़ कृषि भूमि है। प्रधानमंत्री जनमन योजना से ऋण लेकर उन्होंने खेत का सुधार कराया है और धान की खेती की है। फसल अच्छी होने की वजह से उन्हें, इससे लाभ होने की उम्मीद है। नवीन क्रेडिट कार्ड से ऋण मिलने से खेती की जरूरतें पूरी होने लगी है।

पीएम-जनमन योजना के चलते कबीरधाम जिले की 26० बैगा बसाहटों में सोलर पंप, पानी टंकी, पाईप लाईन के माध्यम से बैगा परिवारों के घरों में नल से जल की आपूर्ति का काम तेजी से कराया जा रहा है। वर्तमान में विकासखंड बोड़ला के 181 बसाहटों में से 62 बसाहटों में सोलर पंप, पानी टंकी, पाईप लाईन के माध्यम से जलापूर्ति शुरू कर दी गई है, शेष 119 बसाहटों में नल कनेक्शन दिए जाने का काम जारी है। पंडरिया ब्लॉक अंतर्गत 78 बैगा बसाहटों में से 18 बसाहटों में नल से जल प्रदाय करने का काम पूरा हो चुका है, जबकि शेष बसाहटों में पानी टंकी निर्माण कार्य, पाईप लाईन बिछाने का काम जारी है। बैगा बसाहटों में पेयजल के लिए पहले से हैण्डपंप स्थापित है।

प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत कबीरधाम जिले में 8 हजार 596 विशेष पिछड़ी जनजाति के तहत बैगा समुदाय के परिवारों का सर्वे में 8 हजार 44० परिवार बैगा परिवार आवास के लिए पात्र पाए गए है, जिनमें से 7853 का परिवारों का पंजीयन आवास पोर्टल में किया गया है एवं 7394 परिवारों को आवास की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत परिवारों में से 6 हजार 678 हितग्राहियों को प्रथम किश्त, 3०31 हितग्राहियों को द्वितीय किश्त एवं 1०81 हितग्राहियों को तृतीय किश्त की राशि ऑनलाईन डी.बी.टी. के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है। बैगा समुदाय के रहवासी इलाकों में 4 छात्रावास, 39 आंगनबाड़ी केन्द्र, 2 वनधन केन्द्र, 13 बहुद्देशीय केन्द्र सहित कुल 37० कार्यों की स्वीकृति दी गई हैं, जिन्हें तेजी से पूरा कराया जा रहा है।

लेखक उप संचालक जनसंपर्क हैं

शब्द सामर्थ्य -79

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

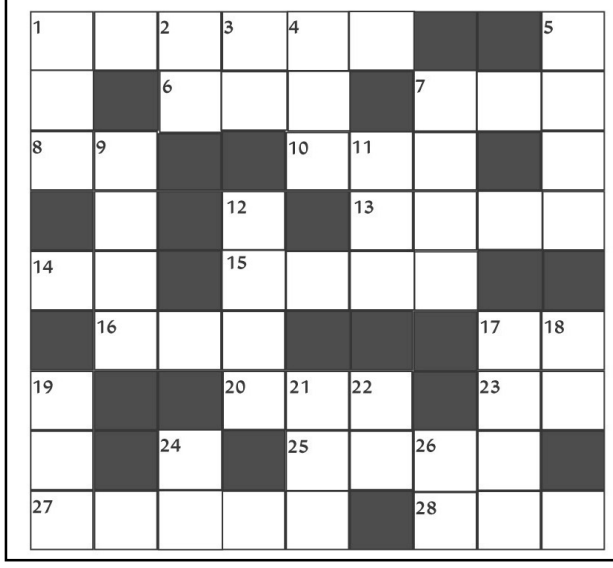

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 78 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

सिकंदर की शूटिंग खत्म होते ही सलमान ने सबसे पहले किया ये काम

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना और सलमान खान स्टारर 'सिकंदर' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। ऐसे में क्लीन शेव लुक पसंद करने वाले अभिनेता सलमान ने शूटिंग खत्म होने के तुरंत बाद अपनी दाढ़ी कटवाई, जिसे उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के लिए बढ़ाया था।

प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया, यह सलमान और रश्मिका के बीच बांद्रा में एक पैच-वर्क सीक्वेंस था और टीम ने रात 8 बजकर 30 मिनट पर शूटिंग पूरी की। शूटिंग के ठीक बाद, सलमान ने अपनी दाढ़ी साफ की, जिसे उन्होंने सिकंदर में अपने लुक के लिए बनाए रखा था। असल जिंदगी में अभिनेता क्लीन शेव पसंद करते हैं।

'सिकंदर' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अभिनेता ने हाल ही में मुंबई में सह-कलाकार रश्मिका मंदाना, निर्देशक एआर मुरुगादॉस और निर्माता साजिद नाडियाडवाला के साथ पैक-अप किया।

एक सूत्र ने बताया, उस दिन शूटिंग खत्म होते ही सलमान ने सबसे पहले अपनी दाढ़ी कटवाई थी। उनका नया लुक सोशल मीडिया पर छा चुका है, सुपरस्टार की तस्वीरें वायरल हो रही हैं।

हालांकि, सिकंदर की मुख्य शूटिंग जनवरी में समाप्त हो गई थी, लेकिन सलमान, रश्मिका और टीम फरवरी और मार्च में कुछ पैच-अप सीन और एक प्रमोशनल गाना फिल्माने में जुटी हुई थी।

सूत्र ने कहा, एडिट लॉक हो गया है और कलर ग्रेडिंग, वीएफएक्स और बैकग्राउंड पर काम चल रहा है। सिकंदर सिनेमाघरों में जल्द रिलीज के लिए तैयार है।

अपकमिंग एक्शन फिल्म की शूटिंग मुंबई, हैदराबाद के साथ देश के अन्य हिस्सों में 90 दिनों तक चली।

सलमान और रश्मिका की जोड़ी पहली बार साथ में ऑन स्क्रीन नजर आएगी। एआर मुरुगादॉस के निर्देशन में बनी एक्शन-ड्रामा में सलमान खान और रश्मिका मंदाना के साथ काजल अग्रवाल, सत्यराज, शरमन जोशी और प्रतीक बब्बर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

'सिकंदर' के साथ सलमान खान और निर्माता साजिद नाडियाडवाला की जोड़ी फिर से साथ आई है। इससे पहले दोनों ने साथ में साल 2014 की हिट फिल्म 'किक' में काम किया था।

'सिकंदर' ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सनी सिंह की नई फिल्म अमर प्रेम की प्रेम कहानी का हुआ ऐलान, पहला पोस्टर जारी

सनी सिंह को आखिरी बार फिल्म वाइल्ड वाइल्ड पंजाब में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुईइस फिल्म में वरुण शर्मा, जस्सी गिल और मनजोत सिंह जैसे सितारे भी नजर आएंगे। यह फिल्म 10 जुलाई, 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।अब सनी ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम अमर प्रेम की प्रेम कहानी हैइस फिल्म में सनी के साथ अभिनेता आदित्य सील भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

अमर प्रेम की प्रेम कहानी का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें सनी और आदित्य की झलक दिख रही है। पोस्टर में न केवल आदित्य सील और सनी सिंह के बीच की केमिस्ट्री दिखाई गई है, बल्कि यह भावनात्मक रूप से चार्ज की गई कहानी के लिए टोन भी सेट करता है। कैप्शन में लिखा है, जोड़ी इनकी है निराली, अमर और प्रेम अपनी कहानी लेकर आ गए हैं #अमरप्रेमकीप्रेमकहानी 4 अक्टूबर से स्ट्रीमिंग होगी, केवल जियो सिनेमा प्रीमियम पर।

फिल्म का निर्माण ज्योति देशपांडे, पार्थ गज्जर और पूनम श्रॉफ सहित एक गतिशील टीम द्वारा किया गया है। उनकी संयुक्त विशेषज्ञता एक उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादन का वादा करती है जो कहानी की भावनात्मक गहराई और सांस्कृतिक महत्व दोनों को दर्शाती है।

अमर प्रेम की प्रेम कहानी एक ऐतिहासिक फिल्म होने का वादा करती है, जिसमें आदित्य सील और सनी सिंह एक ऐसी कहानी में शक्तिशाली प्रदर्शन करते हैं जो समलैंगिक प्रेम का जश्न मनाती है। फिल्म में प्रनूतन बहल भी हैं।

फिल्म की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर दस्तक देने वाली हैइस फिल्म को आप 4 अक्टूबर, 2024 से जियो सिनेमा पर देख सकते हैं।हार्दिक गज्जर ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है। ज्योति देशपांडे इस फिल्म की निर्माता हैं।

तापसी पन्नू ने पढ़ा संघर्ष से संतोष का पाठ

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने गांधारी की शूटिंग पूरी कर ली है। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर तापसी ने प्रशंसकों को यह जानकारी दी। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म बेहद खास है और वह जल्द ही खास और एकदम अलग हटकर नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हैं।

तापसी ने इंस्टाग्राम पर अपनी अपकमिंग फिल्म गांधारी के सेट से कुल चार तस्वीरें शेयर की। पहली तस्वीर में वह आंखों पर पट्टी बांधकर बच्चों के साथ खेलती नजर आईं। वहीं, दूसरी तस्वीर में वह सह-अभिनेता इश्वाक सिंह, लेखिका कनिका ढिल्लों और निर्देशक देवाशीष मखीजा के साथ पोज देती दिखीं। तापसी ने एक चॉकलेट केक की तस्वीर भी शेयर की, जिस पर 'गांधारी इट्स ए रैप' लिखा था।

तस्वीरों को शेयर करते हुए तापसी ने कैप्शन में 'गांधारी' को फिल्माने के अपने अनुभव को उतारा और इसे धैर्य, दृढ़ संकल्प और सकारात्मकता से भरपूर यात्रा के रूप में वर्णित किया। उन्होंने फिल्म को लेकर अपने जज्बात शेयर करते हुए लिखा, अगर मानव शरीर के लिए कोई एनओएस (नॉन-ओवरसैंपलिंग यानि एक प्रकार का डिजिटल-टू-एनालॉग कन्वर्टर) मोड है, तो मैंने इसे इस फिल्म में अनुभव किया है। अगर धैर्य और दृढ़ संकल्प के फ्यूल पर चलने वाली कोई चीज है, तो मैंने इसे इस फिल्म में देखा है। अगर टीम के साथ किसी लक्ष्य को पूरा करने जैसी कोई चीज है, तो इसे भी मैंने इस फिल्म में महसूस किया है।

अभिनेत्री ने चुनौतियों पर भी बात की और लिखा कि संघर्ष से ही संतोष मिलता है।

उन्होंने लिखा, हर बार जब मैं कुछ अलग और चुनौतियों से भरे काम करने के बारे में सोचती हूं, तो भूल जाती हूं कि इसकी कीमत भी चुकानी होगी। जैसे बर्नआउट, लेकिन कुछ चोट आपको संतोष का एहसास कराती हैं। पूरी टीम ने फिल्म के लिए शानदार काम किया है और अपना सब कुछ दिया है। इसे जल्द ही आपके सामने लेकर आ रही हूं, 'गांधारी'।

बता दें, तापसी पन्नू 'गांधारी' में खूब एक्शन करती नजर आएंगी। फिल्म निर्माता-लेखिका कनिका ढिल्लों ने हाल ही में बताया कि तापसी में एक अलग तरह की फुर्ती है, वह एक्शन फिल्म के लिए परफेक्ट हैं। कनिका ने एक्शन सीन्स को बेहतरीन तरीके से निभाने के लिए तापसी की सराहना की।

'गांधारी' में तापसी पन्नू मिशन पर निकली एक ऐसी मां के किरदार में दिखेंगी, जो साहसी है। कथा पिक्चर्स के बैनर तले 'गांधारी' का निर्माण हुआ है। फिल्म का निर्देशन देवाशीष मखीजा ने किया है।

बाबिल खान ने बताया, वह जसलीन रॉयल संग क्यों करना चाहते थे काम

अभिनेता बाबिल खान ने बताया कि वह गायिका जसलीन रॉयल के म्यूजिक वीडियो 'दस्तूर' में काम करना चाहते थे। बाबिल ने इसके पीछे कि वजह भी बताई और रॉयल के आवाज की खूब तारीफ भी की। दिवंगत स्टार इरफान खान के बेटे बाबिल ने इंस्टाग्राम पर 'दस्तूर' म्यूजिक वीडियो के कुछ पलों की तस्वीरें शेयर कीं। बाबिल ने बताया कि रॉयल के साथ म्यूजिक वीडियो मिलने पर हर कोई खुश था। उन्होंने कैप्शन में लिखा, जब जसलीन मेरे साथ म्यूजिक वीडियो करना चाहती थीं, तो हर कोई बहुत खुश था। हालांकि, वह एक स्टार हैं और मैं अभी सफर पर हूं।

उन्होंने लिखा, मैं उन्हें तब से जानता हूं जब वह यूट्यूब पर वीडियो बनाती थीं। मुझे उनकी आवाज पसंद है। उनके गाने सुनकर अच्छा लगता है और परेशानियां भी हल्की होती दिखती हैं। मैंने म्यूजिक वीडियो में उनके साथ काम इसलिए किया, क्योंकि जसलीन के पास ऐसी आवाज है, जो बहुत खास है।

बाबिल की पोस्ट पर कमेंट करते हुए जसलीन रॉयल ने लिखा, इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए शुक्रिया सुपरस्टार। यह हमेशा खास रहेगा।

अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद बाबिल ने बॉलीवुड फिल्म 'करीब करीब सिंगल' में कैमरा असिस्टेंट के तौर पर शुरुआत की थी। साल 2022 में उन्होंने तृप्ति डिमरी के साथ अन्विता दत्त की साइको- ड्रामा 'काला' से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 'फ्राइडे नाइट प्लान' में नजर आए, जिसमें उनके साथ जूही चावला हैं। इसके बाद अभिनेता भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित सीरीज 'द रेलवे मेन' में नजर आए। सीरीज में बाबिल के साथ दिव्येंदु शर्मा, केके मेनन और आर. माधवन भी हैं।

बाबिल की अपकमिंग फिल्म अमिताभ बच्चन के साथ शूजित सरकार की 'द उमेश क्रॉनिकल्स है'।

शिष्टाचार पुलिस क्या बला है ?

अजीत द्विवेदी

पुलिस और शिष्टाचार आमतौर पर एक दूसरे के विपर्यय यानी एक दूसरे के विपरीत अर्थ वाले माने जाते हैं। तभी जब भी पुलिस सुधारों की बात होती है तो सबसे पहले पुलिसकर्मियों को शिष्टाचार का प्रशिक्षण देने की बात कही जाती है। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक रहे प्रकाश सिंह ने भी अपनी सिफारिशों में यह बात कही है तो देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने कई इंटरव्यू में इस पर जोर दिया कि पुलिस को आधुनिक तकनीक व हथियारों का प्रशिक्षण देने के साथ साथ सार्वजनिक जीवन में आम नागरिकों के साथ सभ्य और सलीके का व्यवहार करने का प्रशिक्षण भी देना चाहिए। दुनिया के सभ्य व विकसित देशों में नागरिक पुलिस को दोस्त मानते हैं तभी वहां अभिभावक अपने बच्चों को किसी भी संकट की स्थिति में पुलिस के पास जाने की सलाह देते हैं, जबकि भारत में भले लोग यज्ञ, हवन आदि कराते हैं कि पुलिस से पाला न पड़े। अभिभावक अपने बच्चों को पुलिस से दूर रहने की सलाह देते हैं। कुल मिला कर स्थिति यह है कि पुलिस की मौजूदगी आमतौर पर लोगों को सुरक्षा का अहसास नहीं कराती है, बल्कि भय और असुरक्षा का भाव पैदा करती है।

तभी दिल्ली में 'एंटी ईव टीजिंग स्क्वॉड' का गठन और उसका नाम 'शिष्टाचार स्क्वॉड' रखने का दिल्ली सरकार का फैसला बहुत दिलचस्प जान पड़ता है। यह मानने में कोई हिचक नहीं है कि यह फैसला राजनीतिक है और राजनीतिक कारणों से किया गया है। जिस तरह से उत्तर प्रदेश सरकार ने एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन किया, जिसका घोषित मकसद तो महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना था लेकिन असल में लव जिहाद के अपने चुनावी एजेंडे को ध्यान में रख कर राज्य सरकार ने यह फैसला किया था। राजधानी दिल्ली में सीधे तौर पर लव जिहाद रोकने के लिए किसी एंटी रोमियो स्क्वॉड के गठन की बात नहीं की जा सकती थी इसलिए महिलाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ और अपराध को रोकने के लिए 'शिष्टाचार स्क्वॉड' बनाने की घोषणा हुई है।

ऐसा लग रहा है कि यह स्क्वॉड शिष्टाचार की बजाय नैतिकता पुलिस के तौर पर काम करेगी। इससे लड़कियां और महिलाएं सुरक्षित महसूस करेंगी या नहीं यह नहीं कहा जा सकता है लेकिन युवा जोड़े इनसे आशंकित जरूर रहेंगे। बजरंग दल के कार्यकर्ता वेलेंटाइन डे वगैरह पर जो काम अनधिकृत रूप से करते हैं उसी से मिलता जुलता काम यह स्क्वॉड सालों भर अधिकृत रूप से करेगा। यह भाजपा की नई राज्य सरकार का एजेंडा इसलिए भी लग रहा है क्योंकि आम आदमी पार्टी की 1० साल की सरकार के समय भी तो पुलिस केंद्र की भाजपा सरकार के पास ही थी। तब इस तरह का स्क्वॉड बनाने की जरुरत क्यों नहीं महसूस की गई थी?

ऐसा मानने का आधार यह भी है कि अगर दिल्ली सरकार चाहती है कि वह महिलाओं को सुरक्षित रखे भी और सुरक्षित महसूस भी कराए तो उसके लिए अलग से किसी पुलिस फोर्स की जरुरत नहीं है। सामान्य पुलिसिंग को चाक चौबंद करके ऐसा किया जा सकता है। महिलाओं के साथ अपराध की जो शिकायतें पुलिस के पास पहुंचती है उन शिकायतों को तत्काल दर्ज किया जाए और कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तो अपने आप महिलाओं के प्रति अपराध में कमी आएगी। ऐसे ही महिलाओं के खिलाफ अपराध के जो मामले पहले से दर्ज हैं अगर पुलिस उन मामलों में जल्दी से जल्दी सजा करा देती है तो उससे भी अपराधियों में खौफ बनेगा।

यह ध्यान रखने की जरुरत है कि सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं के साथ उतने अपराध नहीं होते, जितने घरों में, परिचितों की मौजूदगी में, स्कूल व कॉलेजों में या कार्यस्थलों पर होते हैं। वहां न तो पुलिस मौजूद रह सकती है और न 'शिष्टाचार स्क्वॉड' के लोग मौजूद रहेंगे। इसलिए महिलाओं को इस बात के लिए प्रोत्साहित करना होगा कि वे झिझक छोड़ कर या पुलिस का डर छोड़ कर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। उनमें यह भरोसा स्थापित करना होगा कि थानों में उनके साथ बदसलूकी नहीं होगी या उनकी कमजोरी का फायदा नहीं उठाया जाएगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी शिकायत पर पुलिस ईमानदारी से और त्वरित कार्रवाई करेगी। यह सुनिश्चित करने की बजाय सरकार 'शिष्टाचार स्क्वॉड' बना रही है, जबकि यह काम सामान्य पुलिसिंग के जरिए हो सकता है।

महिलाओं के साथ छेड़छाड़ या उनके प्रति अपराध की घटनाओं को रोकने के लिए इस तरह के दिखावे की जरुरत नहीं है, बल्कि व्यापक और समग्र योजना बनाने की जरुरत है। इसमें महिला थानों व महिला पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाना एक उपाय है। पुलिसकर्मियों को नागरिकों और खास कर महिलाओं के साथ सलीके का व्यवहार करने का प्रशिक्षण देना दूसरा उपाय है। अभियोजन के लिए अलग शाखा या स्क्वॉड बनाना भी एक उपाय है ताकि जो मामले पुलिस के पास पहुंचे उनमें जल्दी से जल्दी न्यायिक कार्रवाई पूरी कराई जा सके।

न्यायपालिका में भी जैसे पॉक्सो मामलों के लिए अलग अदालतें हैं वैसे ही महिलाओं से जुड़े मामलों के त्वरित निपटारे के लिए अलग से व्यवस्था करने की जरुरत है। अगर थाने में शिकायत लेकर जाने में महिलाएं सुरक्षित और सहज महसूस करने लगें और उन्हें भरोसा बने की पुलिस की जांच और न्यायिक प्रक्रिया उनके लिए सजा नहीं बन जाएगी तो वे खुद ब खुद आगे आएंगी और अपने ऊपर होने वाले अपराध की शिकायत करेंगी। इसकी बजाय पुलिस अगर अपराध खोजने जाती है तो उसके कई खतरे हैं। सबसे बड़ा खतरा यह है कि पुलिस सार्वजनिक जगहों पर, पार्क, गार्डेन आदि में और मॉल्स में मोरल पुलिसिंग में लग जाएगी। ऐसा न हो यह सरकार और पुलिस दोनों को सुनिश्चित करना होगा।

इस पूरी प्रक्रिया में एक बड़ा सवाल सरकार की प्राथमिकता का भी है। क्या दिल्ली को विश्वस्तरीय राजधानी बनाने के लिए पुलिसिंग की पहली जरुरत यही है कि 'शिष्टाचार स्क्वॉड' बनाया जाए? राजधानी दिल्ली गैंगस्टर्स की राजधानी बन गई है। यहां दर्जनों गैंग ऑपरेट करते हैं, जो बड़े अपराध को अंजाम देते हैं। 'इंडियन एक्सप्रेस' की एक रिपोर्ट के मुताबिक कम से कम 12 गैंग ऐसे हैं, जिनके सरगना विदेश में हैं और राजधानी व एनसीआर के इलाके में गैंग चला रहे हैं। हिमांशु भाऊ अमेरिका में है तो कपिल सांगवान ब्रिटेन में है। गोल्डी बरार अमेरिका में, अर्श डल्ला कनाडा में, रोहित गोदारा कनाडा में, जग्गा धुरकोट अमेरिका में, लक्की पटियाल आर्मेनिया में, अमरजीत बिश्नोई इटली में, वीरेंद्र चरण अमेरिका में, नवीन बॉक्सर दुबई में, सुभाष बराला दुबई में तो नोनी राणा इटली में है। इनके गैंग राजधानी दिल्ली व एनसीआर में रंगदारी वसूलने और लोगों को डराने का काम करता है।

इनके अलावा काला जठेड़ी या हाशिम बाबा जैसे अनेक गैंग और हैं, जिनके सरगना विदेश में नहीं हैं। पुलिस की प्राथमिकता क्या यह नहीं होनी चाहिए कि महाराष्ट्र की तरह संगठित अपराध को रोकने के लिए अलग से पुलिस का दस्ता बनाते और इन गैंग्स की गतिविधियों पर रोक लगाएं? कई गैंग जेल की चारदिवारी के भीतर से ऑपरेट हो रहे हैं। दिल्ली में आए दिन हत्याएं हो रही हैं, गोलीबारी हो रही है, लोगों की दुकानों पर फायरिंग करके वसूली की मांग की जा रही है। इन पर कार्रवाई करने की बजाय दिल्ली सरकार मॉल्स, सिनेमा हॉल्स, पार्क, गार्डेन, बाजारों आदि में छेड़छाड़ रोकने के लिए विशेष दस्ता बना रही है। बताया जा रहा है कि हर जिले में दो दस्ते होंगे। हर दस्ते में 12 पुलिसकर्मी होंगे, जो साधी वर्दी में रहेंगे। जाहिर है कि दो करोड़ से ज्यादा आबादी के लिए पुलिस के 12 या 14 दस्ते किसी काम नहीं आने वाले हैं। राजधानी में हजारों सार्वजनिक जगह हैं, जहां छेड़छाड़ की या महिलाओं के प्रति अपराध की घटनाएं हो सकती हैं। उन्हें रोकने के लिए दस्ता बनाने की बजाय थानों में पहुंचने वाली या पहले से लंबित महिलाओं की शिकायतों का निपटारा हो तो महिलाओं में भरोसा और अपराधियों में भय बनेगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र.79

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.78 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

वक्फ बिल के लिए सरकार को व्यापक सहमति बनाने का प्रयास करना चाहिए

वसी जैदी

केंद्र सरकार ने संकेत दिया है कि वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक संसद के बजट सत्र में पारित करने के लिए पेश किया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संयुक्त संसदीय समिति द्वारा अनुशंसित बिल को मंजूर कर लिया है। यानी बिल को संसद में पास करने की कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैंइस वक्फ बिल के मुद्दे पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और हिंदू संगठन एक-दूसरे के खिलाफ आंदोलित हैं। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने आरोप लगाया कि यदि वक्फ बिल संसद में पारित हो गया, तो हुकूमत हमारी मस्जिदें छीन लेगी, दरगाहें तोड़ देगी और कब्रिस्तान पर भी कब्जा कर लेगी। जाहिर है इन आरोपों में कोई दम नहीं है, फिर भी सरकार को इस बिल के लिए और व्यापक सहमति बनाने का प्रयास करना चाहिए।बहरहाल, संसद के भीतर तमाम संशोधन बहुमत या ध्वनि मत के आधार पर ही पारित किए जाते हैं। यदि जेपीसी में भी यही प्रणाली इस्तेमाल की गई है, तो विपक्ष की आपत्तियां चीखा-चिल्ली के अलावा कुछ और नहीं हैं। कार्यपालिका और विधायिका को सदन में किसी भी मुद्दे या कानून में संशोधन करने के संवैधानिक विशेषाधिकार हैं। सदन में मुस्लिम और सपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस आदि-के सांसद भी हैं, इसलिए इस बिल पर संसद में व्यापक बहस होनी चाहिए। बहरहाल, वक्फ बिल को धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप बताया जा रहा है, जबकि वक्फ बोर्ड जमीन और अचल सम्पत्तियों के प्रबंधन का संस्थान है। इसका मुस्लिम धार्मिक पुस्तकों में कोई जिक्र नहीं है। यहां

तक कि अधिकांश मुस्लिम देशों में वक्फ बोर्ड का अस्तित्व ही नहीं है। हमारे मूल संविधान में भी वक्फ कानून नहीं था। यह संविधान में एक संशोधन के जरिए 1954 में शामिल किया गया। अनेक मुस्लिम धार्मिक नेताओं ने भी कहा है कि वक्फ बोर्ड को धर्म से जोडना ठीक नहीं है। जहां तक इसमें संशोधन का सवाल है तो यह मांग समय समय पर मुस्लिम समाज से ही उठती रही है।

दरअसल,केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय को 2023 में 148 शिकायतें मिली थीं, जिनमें अधिकतर मुसलमानों की ही थीं। आज भी 4०,951 मामले ट्रिब्यूनल या अदालतों में लंबित हैं, लिहाजा इस बिल को धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं माना जा सकता। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सन लॉ बोर्ड का यह आरोप बिल्कुल सही नहीं है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सन लॉ बोर्ड ने तीन तलाक कानून और नागरिकता संशोधन विधेयक यानी सीएए के समय भी इसी तरह की बातें की थी जो बाद में गलत साबित हुई। दरअसल, देश में 9 लाख एकड़ से अधिक जमीन वक्फ बोर्ड के अधीन है, जो रेलवे और सेना के बाद सर्वाधिक है। करीब 8।7 लाख संपत्तियों की सालाना आमदनी मात्र 2०० करोड़ रुपए बताई जाती रही है, जबकि सच्चर कमेटी की रपट के मुताबिक, यह आमदनी 12,००० करोड़ रुपए से अधिक होनी चाहिए। सवाल है कि इसमें भारी घोटाला है अथवा भू-माफिया की एक जमात हकीकत को छिपाए रखना चाहती है ? विडंबना यह है कि 1।26 लाख करोड़ रुपए, 2०23-24 के आकलन के मुताबिक, की संपत्तियों वाले वक्फ के मुस्लिम समाज में आज भी करीब 32 प्रतिशत अनपढ़ और 3० प्रतिशत गरीब मुसलमान हैं। वक्फ बोर्ड ऐसे मुसलमानों की मदद क्यों नहीं करते ? जाहिर है मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के आरोप स्वीकारे नहीं जा सकते हैं, लेकिन फिर भी देश के मौजूदा माहौल को देखते हुए केंद्र सरकार ने और अधिक व्यापक चर्चा करनी चाहिए।इसी के साथ मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भी भडक़ाऊ बयानबाजी बंद करनी चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

'75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं'

कार्यालय संवाददाता

रुद्रपुर। विद्यार्थियों की कक्षाओं में उपस्थिति के सन्दर्भ में निर्गत नवीनतम शासनादेश के अनुसार कक्षाओं में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य कर दिया गया है। किसी भी दशा में 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं प्रदान की जाएगी। यह व्यवस्था इसी सत्र में 01 अप्रैल के पश्चात होने वाली परीक्षाओं पर लागू होगी। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर में भी इस शासनादेश के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए कक्षाओं में आने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। शासनादेश के अनुसार शिक्षकों द्वारा नियमित तौर पर न सिर्फ विद्यार्थियों की उपस्थिति ली जा रही है, बल्कि जीपीएस कैमरा ऐप से अपने लेक्चर की विद्यार्थियों को फ्रेम में लेते हुए फोटो भी खींची जा रही है। विद्यार्थियों की दैनिक उपस्थिति और जीपीएस टैग की तस्वीरें समर्थ पोर्टल के क्लासरूम मॉड्यूल में अपडेट भी की जाएंगी।

महिला बच्चे के साथ फरार

संवाददाता

देहरादून। महिला के बच्चे के साथ घर से फरार होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपनगर निवासी राजकुमार ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपनी पत्नी प्रीति के साथ रहता है। गत दिवस उसकी पत्नी उसके एक साल के बच्चे के साथ घर से कहीं चली गयी है। उसने उसको काफी तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कॉम्पलैक्स खरीदने के नाम पर एक करोड 25 लाख की ठगी

संवाददाता

देहरादून। काम्पलैक्स खरीदने के नाम पर एक करोड 25 लाख की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नत्थुवाला निवासी राकेश चन्द रमोला ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि नितिश राणा पुत्र श्री जीवन सिंह राणा निवासी रांझावाला, रायपुर, देहरादून, उत्तराखण्ड भूमि कुल रकबा 987.80 वर्गमीटर जिसमें बन रहे 36 गुणा 72 फिट कॉमर्सियल प्रथम तल जिसमें 6 फिट का पैराफिट एवं स्टील्थ पार्किंग एवं सभी प्रकार की पार्किंग स्थित का स्वामी हैं। उक्त नितिश राणा ने उक्त सम्पत्ति में व्यवसायिक कॉम्पलैक्स का निर्माण किया जा रहा है। नितिश राणा व वह ग्राम रांझावाला रायपुर में निवास करते हैं तथा उक्त नितिश राणा व उसकी पूर्व से अच्छी जान पहचान थी, इस कारण नितिश राणा ने उसको उक्त सम्पत्ति में बन रहे कॉमर्सियल कॉम्पलैक्स के प्रथम तल में 36 गुणा 72 फिट, जिसमें 6 फिट का पैराफिट एवं स्टील्ट पार्किंग तथा सभी प्रकार की पार्किंग देने का व विकसित करने का प्रस्ताव किया। उसके व नितिश राणा के मध्य पूर्व में अच्छी जान पहचान होने व उसको भी उक्त सम्पत्ति के प्रथम तल में कॉमर्सियल कॉम्पलैक्स कय करने की आवश्यकता होने पर उसको नितिश राणा द्वारा कय करने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया और उसके व नितिश राणा के मध्य एक अपंजीकृत विक्रय अनुबंधपत्र 27 मई 2024 को अंकित व निष्पादित हुआ था। उक्त का सौदा एक करोड पच्चीस लाख रूपये में तय पाया गया था जो उसके द्वारा विभिन्न चैकों व आरटीजीएस के माध्यम से विक्रय अनुबंधपत्र उल्लेखित समस्त विकय प्रतिफल राशि अदा कर दी गई है। उसके पश्चात भी नितिश राणा द्वारा उसके पक्ष में विक्रय विलेख अंकित व निष्पादित नहीं किया जा रहा है तथा अनुर्बधित भूमि का विक्रय पंजीकरण से सम्बन्धित प्रक्रिया को सम्पूर्ण करने से स्पष्ट इन्कार कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वाहन सुरक्षा हेतु आधुनिक तकनीक से लैस होंगी, ऑटोमेटिक पार्किंग

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री के विकसित उत्तराखंड की संकल्प को साकार करने में जुटे जिलाधिकारी सविन बंसल ने शहर देहरादून में आम जनमानस को सुगम सुव्यवस्थित सुविधा मुहैया कराने को लेकर जनपद के समस्त क्षेत्रों में युद्ध स्तर पर कार्य कर रहे हैं। इसी क्रम में डीएम के ब्रेंचाइल्ड ऑटोमेटेड पार्किंग निर्माण ने पकड़ी रफ्तार जल्द ही जनमानस को उसके सौगात मिलने जा रही है। डीएम ने आधुनिक सुविधा से लैस दो ऑटोमेटेड पार्किंग बनाने का निर्णय लिया हैं। जो कि एक विकसित राज्य की महत्व पूर्ण उपलब्धि हैं। जहां बढ़ती हुई वाहनों की संख्या से पार्किंग की दबाव को दूर करने के लिए। डीएम ने ऑटोमेटिक पार्किंग की नई तरकीब निकाली कि कम जगह पर अधिक वाहन आसानी से पार्क हो सकें। यही नहीं उन्होंने पार्किंग के निर्माण हेतु हर स्तर पर कार्यों को तेजी से संपादित करवाते हुए, संबंधितों

को युद्ध स्तर पर निर्माण कार्य कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। जिसके फल-स्वरुप दोनों ऑटोमेटेड पार्किंग बनकर तैयार होने जा रहे हैं, जो कि जल्द ही आम जनमानस को इसका लाभ देने जा रहे हैं। डीएम देहरादून, शहर को आधुनिकता बनाने में लवलीन। डीएम के ऑटोमेटिक पार्किंग निर्माण ने पकड़ी गति जल्द मिलेगी सौगात। एक माह के भीतर देहरादून शहर में दिखेंगे वाहन मैकेनिकल रैंक पर पार्क होते हुए। तिब्बती मार्केट, परेड ग्राउंड आउटर, एवं कैरोनेशन अस्पताल सब पर निर्माण चल रहा। जनमानस को सुगम सुविधा जुटाने में जिला प्रशासन तत्पर, ऐन केन स्रोतों से डीएम ने जुटा ही लिया फंड। डीएम का आईडिया ऑटोमेटेड पार्किंग ने 'गागर में सागर' वाली कथन को साबित कर दिखाया। न्यून लागत और उच्चतम प्रतिफल का प्रतिक:अब वाहन प्रेमी शहर देहरादून में ऑटोमेटिक पार्किंग का सुविधा ले सकेंगे। वाहन सुरक्षा हेतु आधुनिक तकनीक से लैस होंगी, ऑटोमेटिक पार्किंग।

चार वर्षों से फरार पांच हजार का ईनामी गिरफ्तार

संवाददाता

हरिद्वार। प्लाट दिनाने के नाम पर लाखों रूपये की धोखाधडी़ मामले में पिछले चार साल से फरार चल रहे पांच हजार के ईनामी को पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पहचान छिपाकर सब्जी विक्रेता बन मथुरा में किराए के मकान पर रह रहा था।

जानकारी के अनुसार कोतवाली रानीपुर पर अगस्त 2021 में पप्पू सिंह पाटिल पुत्र स्व. बलबीर सिंह निवासी ग्राम सलेमपुर रानीपुर हरिद्वार द्वारा सत्यप्रकाश पुत्र भवाना प्रसाद, रजनीश, महिला पत्नी रजनीश, महिला पत्नी सत्यप्रकाश, वासुदेव पुत्र धीर सिंह व कुंवर प्रताप पुत्र वासुदेव निवासी कुंज विहार कालोनी दादूपुर गोविन्दपुर हरिद्वार के खिलाफ भूमि विक्रय के नाम पर 40 लाख रूपये की धोखाधडी करने का मुकदमा दर्ज कराया गया था। मामले में रानीपुर पुलिस द्वारा नामजद मुख्य आरोपी एवं प्रोपर्टी डीलर सत्यप्रकाश आदि की काफी तलाश की गयी, लेकिन उक्त आरोपी का कोई स्थाई पता न होने एवं लगातार पते बदलने के कारण आरोपी लगातार फरार चल रहा था। आरोपी वर्ष 2021 से लगातार फरार एवं गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था जिसकी गिरफ्तारी पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा 5000 रूपये का ईनाम घोषित किया गया था।

मुख्यालय स्तर से चलाए जा रहे अभियान को सफल बनाने हेतु एसएसपी हरिद्वार के आदेश पर कोतवाली रानीपुर पुलिस द्वारा सी.आई.यू. हरिद्वार के सहयोग से प्रकरण के मुख्य आरोपी सत्यप्रकाश उर्फ पण्डित को स्टेशन रामगंज मंडी कोटा राजस्थान के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है।

आरोपी ग्राम नगला डूंगर थाना नारखी जनपद फिरौजाबाद उ.प्र. का स्थाई निवासी है जो पहचान छिपाकर मथुरा उत्तर प्रदेश में किराए के मकान पर रह कर सब्जी विक्रेता का काम कर रहा था। पूछताछ में आरोपी द्वारा बताया गया कि उसने पीड़ित व अन्य लोगों से जनपद हरिद्वार उत्तराखण्ड मे भूमि विक्रय (प्लाटिंग) को लेकर धोखाधड़ी कर लिये और वह रूपये अपने दामाद एवं नामजद आरोपी रजनीश पुत्र बालाराम निवासी पिछोना भरतपुर राजस्थान को दे दिये गये तथा कुछ पैसे स्वयं खर्च करना बताया गया। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

चारधाम यात्रा के सफल संचालन के लिए ट्रैफिक पुलिस को दिये निर्देश

संवाददाता

टिहरी। आनेवाली चारधाम यात्रा के सफल सचांलन के लिए ट्रैफिक पुलिस निरीक्षक ने मीटिंग लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां प्रभारी निरीक्षक यातायात यूडी सेमवाल द्वारा यातायात कार्यालय मुनिकी रेती पर यातायात मे नियुक्त समस्त अधिकारियों कर्मचारियों का मासिक सम्मेलन लिया गया। सम्मेलन मे सर्वप्रथम उच्चाधिकारी द्वारा प्रदत्त आदेश निर्देशों से कर्मचारीगणों को अवगत कराते हुए अनुपालन हेतु निर्देशित किया गया तथा उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों से व्यक्तिगत/सामूहिक समस्या अथवा सुझाव के सम्बन्ध मे जानकारी की गयी तो किसी के द्वारा कोई समस्या/सुझाव होना नही बताया गया। तत्पश्चात आगामी चारधाम यात्रा 2025 के दृष्टिगत यातायात से सम्बन्धित निम्न बिन्दुओं पर विस्तृत दिशा निर्देश दिये गये।-यातायात मे नियुक्त समस्त कर्मगणो को निर्धारित पैटर्न की वर्दी धारण करते हुए ड्यूटी प्वाईंट पर समय से पंहुचकर

यातायात व्यवस्था बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया। आगामी चारधाम यात्रा 2025 के दौरान जनपद मे मुनिकी रेती क्षेत्रान्तर्गत यातायात का अत्यधिक दवाब होने की सम्भावना के दृष्टिगत अपरिहार्य स्थिति मे अवकाश प्रार्थना पत्र मे स्पष्ट कारण एंव आवश्यक दस्तावेज संल्गन करने के उपरान्त ही प्रार्थना पत्र प्रेषित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने निर्देश दिये कि मुनिकी रेती क्षेत्रान्तर्गत यातायात व्यस्था ड्यूटी के दौरान मुख्य तिराहों/चौराहों पर अनावश्यक वाहन न रोकने एंव सक्षम चालानकर्ता अधिकारी की उपस्थिति मे ही वाहन रोकते हुए चालान की कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। समस्त कर्मचारी अवकाश पर रवानगी से पूर्व एंव अवकाश वापसी के दिन समय से यातायात कार्यालय मे उपस्थित होकर रवानगी/वापसी कराना सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही यातायात मे नियुक्त समस्त कर्मचारी यातायात का दवाब अधिक बढने की स्थिति मे मुख्य डायवर्जन प्वाईंट से वाहन को डायवर्ट करने एंव यातायात की स्थिति से अन्य सभी प्वाईंट्स पर अवगत कराने के सम्बन्ध मे निर्देशित किया गया। सभी यातायात कर्मी मुनिकी रेती क्षेत्रान्तर्गत ड्यूटी के दौरान सडक किनारे खडे वाहनों को 'पार्किंग मे खडा करने हेतु वाहन संचालको को अवगत कराते हुए यातायात व्यवस्था बनाये रखने के सम्बन्ध मे निर्देशित किया गया।

एक नजर

खाई में गिरा ट्रक, चालक की मौत दो घायल

हमारे संवाददाता

टिहरी। सड़क हादसें में आज सुबह एक ट्रक के खाई में गिर जाने से जहां चालक की मौत हो गयी वही अन्य दो लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीआरएफ टीम ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार चंबा उत्तरकाशी मार्ग पर सूल्याधार के समीप तड़के 4 बजे यह भीषण हादसा हुआ है। जहां रुड़की से उत्तरकाशी की तरफ जा रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर करीब डेढ़ सौ मीटर गहरी खाई में जा गिरा। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। जहां उन्होंने रेस्क्यू अभियान चलाकर घायलों को खाई से बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक ट्रक में चालक सहित तीन लोग सवार थे। जिनमें एक महिला भी शामिल है। बताया गया कि हादसे में चालक की मौत हो गई है। जबकि घायल व्यक्ति (क्लीनर) और महिला को प्राथमिक उपचार के बाद 108 एंबुलेंस सेवा से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

पुलिस ने खोया मोबाइल खोजकर मोबाइल स्वामी को किया सुपुर्द

संवाददाता

टिहरी। पुलिस ने खोया हुआ मोबाइल खोजकर मोबाइल स्वामी को सौंपा तो उसके चेहरे की खुशी लौट आयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार माह अक्टूबर, 2024 में नेहा पुत्री वीरेंद्र सिंह निवासी ग्राम खरसाडी, पट्टी भरपूर, थाना देवप्रयाग, जनपद टिहरी गढ़वाल कंप्यूटर प्रशिक्षण हेतु देवप्रयाग बाजार में आई थी, जिसका वापस घर जाते समय लगभग 18 हजार रुपए का मोबाइल देवप्रयाग बाजार में कहीं गुम हो गया था। उक्त संबंध में नेहा द्वारा थाना देवप्रयाग में अपने मोबाइल की गुमशुदगी दर्ज करवाई गई थी। आयुष अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के सभी थाना प्रभारी को सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से खोए हुए मोबाइल फोन को ढूंढने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश के क्रम में थाना देवप्रयाग के सीसीटीएनएस में नियुक्त संदीप कुमार द्वारा सीआईयू शाखा, टिहरी गढ़वाल से संपर्क कर सीआईयू का सहयोग लेते हुए उक्त गुमशुदा मोबाईल की दिल्ली से शतप्रतिशत बरामदगी करते हुए मोबाईल को उसके स्वामी कुमारी नेहा के सुपुर्द किया गया। अपना खोया हुआ कीमती मोबाइल फोन वापस पाकर शिकायतकर्ता बहुत प्रसन्न है। पुलिस का धन्यवाद किया गया।

सड़क दुर्घटना में बच्चे व पिता की मौत, बीस घायल

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। सड़क दुर्घटना में एक यात्री वाहन के सड़क पर पलट जाने से जहां एक बच्चे व उसके पिता की मौत हो गयी वहीं बीस अन्य लोग घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां से पांच को देहरादून रैफर क दिया गया है।

बताया जा रहा है कि बीती शाम शाम एक यात्री वाहन असंतुलित होकर सड़क पर पलट गया। जिससे एक नेपाली मूल के व्यक्ति की मौके पर, जबकि एक 6 वर्षीय बालक की अस्पताल में मृत्यु हो गई। इसके अलावा, बीस अन्य यात्री घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार बीती शाम नेटवाड़-पुजेली-खनियशयणी मोटर मार्ग पर एक यूटिलिटी वाहन नैटवाड गांव के पास सायं लगभग 5:30 बजे अनियंत्रित होकर रोड हैड पर ही गिर गया। जिसमें नरेश थापा, निवासी नेपाल की मौके पर ही मृत्यु हो गई। जबकि मृतक के पांच वर्षीय पुत्र की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मोरी में उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे में दो लोगों की मृत्यु हुई है, जबकि कुल बीस लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार पांच गंभीर घायलों को हायर सेंटर दून अस्पताल रेफर किया गया है। अन्य 15 को मोरी में ही उपचारित किया जा रहा है।

मुख्य सचिव ने दिये सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करने के निर्देश

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने खाली स्थानों की मैपिंग करते हुए सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करने की कार्ययोजना पर कार्य करने के निर्देश पेयजल विभाग सहित अन्य सम्बन्धित विभागों को दिए हैं।

आज यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में विश्व बैंक सहायता प्राप्त अर्ध-शहरी क्षेत्रों में उत्तराखण्ड जलापूर्ति कार्यक्रम (2018-2025) से सम्बन्धित 12वीं उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) की बैठक आयोजित। राज्यभर में ट्यूबवेल पर बिजली व्यय की बचत के दृष्टिगत मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने खाली स्थानों की मैपिंग करते हुए सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करने की कार्ययोजना पर कार्य करने के निर्देश पेयजल विभाग सहित अन्य सम्बन्धित विभागों को दिए हैं।

सीएस ने ट्यूबवेल लगाने से पूर्व भूजल स्तर की रिपोर्ट अनिवार्यत: प्राप्त करने तथा पेयजल निगम तथा जल संस्थान के पास संकटमय पेयजल वाले क्षेत्रों की भूजल स्तर की रिपोर्ट उपलब्ध ता के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन सचिवालय में विश्व बैंक सहायता प्राप्त अर्ध-शहरी क्षेत्रों में उत्तराखण्ड जलापूर्ति कार्यक्रम (2018-2025) से

सम्बन्धित 12वीं उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्य सचिव ने विश्व बैंक सहायता प्राप्त अर्ध-शहरी क्षेत्रों में उत्तराखण्ड जलापूर्ति कार्यक्रम (2018-2025) के तहत गुड प्रैक्टिसेज की निरन्तरता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गुड प्रैक्टिसेज के तहत 100 प्रतिशत जल गुणवत्ता, निरन्तर जलापूर्ति, बिजली की बचत हेतु पम्पिंग में ऊर्जा दक्षता का स्तर बनाए रखना, ग्राहकों की संतुष्टि, मजबूत व त्वरित शिकायत निवारण तंत्र में निरन्तर सुधार हेतु निर्देश दिए हैं। आज की एचपीसी में मुख्य सचिव ने उत्तराखण्ड पेयजल निगम तथा उत्तराखण्ड जल संस्थान की विभिन्न योजनाओं के अंतिम परिवर्तन पर अनुमोदन दिया। बैठक में जानकारी दी गई कि 1042 करोड़ रूपये लागत के विश्व बैंक सहायता प्राप्त अर्ध-शहरी क्षेत्रों में उत्तराखण्ड जलापूर्ति कार्यक्रम (2018-2025) प्रोजेक्ट की समाप्ति 30 जून, 2025 है। प्रोजेक्ट में 834 करोड़ रूपये विश्व बैंक का योगदान तथा 208 करोड़ रूपये उत्तराखण्ड सरकार का योगदान है। राज्य के पांच जिलों देहरादून, टिहरी, हरिद्वार, नैनीताल तथा ऊधमसिंह नगर के 22 शहरों में कार्यक्रम की कवरेज है। प्रोजेक्ट के तहत निम्नतम 12 मीटर प्रेशर के साथ प्रतिदिन 16 घण्टे जलापूर्ति की सुनिश्चितता तथा 135 एलपीसीडी पर 4.35 लाख लक्षित आबादी को लाभान्वित करने का लक्ष्य है। प्रोजेक्ट के तहत 100 प्रतिशत वॉल्यूमेट्रिक टैरिफ के साथ मीटरिंग की व्यवस्था है। पेयजल विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि उक्त प्रोजेक्ट के तहत 22 स्कीम्स पूरी हो चुकी हैं तथा 108755 नए कनेक्शन दिए गए हैं। यह नए कनेक्शन कार्यक्रम के लक्ष्य से 24 अधिक हैं। विश्व बैंक ने उक्त प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन पर पूर्ण संतुष्टि व्यक्त है। बैठक में सचिव पेयजल, वित्त सहित सम्बन्धित विभागों के अपर सचिव एवं अधिकारी मौजूद रहे।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेन्द्र ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से आर्शीवाद एन्क्लेव गया था तथा उसने अपनी स्कूटी एक स्थान पर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। वहीं नटराज चौक निवाी मोनी चौहान ने ऋषिकेश कोतवाली में घर के बाहर से स्कूटी चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया।

पार्ट टाइम जॉब के झांसा देकर ठगे 6.78 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। पार्ट टाइम जॉब के झांसा देकर छह लाख 78 हजार रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जोगीवाला निवासी विजय सिंह राणा ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको फेसबुक पर पार्ट टाईम जॉब के लिये पोस्ट आया जिसके बाद उसको टेलीग्राम पर जोडा गया और कुछ टास्क दिये गये जिसको पूरा करने पर उसको बोनस राशि देने का लालच दिया गया वह रकम देते गया लेकिन उसको कोई भी रकम वापस नही आयी और उसको लगभग 6 लाख 7800 हजार रुपये की रकम का काई भी रिटर्न नही हुआ यह रकम उसके दो बैंक खातों से ली गयी।

गौकशी का ईनामी बदमाश मुठभेड़ में घायल

हमारे संवाददाता

देहरादून। गौकशी मामले में फरार चल रहे पंद्रह हजार के इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। जिसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह सहसपुर क्षेत्र में तिमली धर्मावाला के पास मोटरसाइकिल सवार बदमाश द्वारा पुलिस चेकिंग पर पुलिस के रोके जाने पर न रुककर भाग गया, जिस पर पुलिस द्वारा पीछा किये जाने पर तिमली के जंगल में पुलिस टीम पर बदमाश ने फायर किया। जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। जिसे तत्काल उपचार हेतु नजदीकी हॉस्पिटल विकासनगर लाया गया। वही ं घटना की जानकारी मिलने पर एसएसपी देहरादून व एसपी विकासनगर द्वारा हॉस्पिटल में अधिकारियों से घटना के बारे में जानकारी ली गयी। मुठभेड़ में घायल बदमाश का नाम एहसान पुत्र बुद्धु उर्फ फिल्टर निवासी ग्राम गंदेवड़ा थाना फतेहपुर जिला सहारनपुर है। जो सहारनपुर का शातिर गौतस्कर हैं व गौकशी व गौतस्करी के मामले में क्लेमनटाउन थाने का 15000 रूपए का इनामी बदमाश है तथा हरियाणा के कुरुक्षेत्र से भी वांटेड है। इस बदमाश ने बीते दिनो थाना विकासनगर, पुरूवाला(सिरमौर,हिमाचल प्रदेश) मे हुई गौकशी की घटना को भी अंजाम दिया था और वह इन दिनों खुशहालपुर ,सहसपुर थाना क्षेत्र में छुपकर रह रहा था। घायल बदमाश आज सुबह मौका देखकर फरार होने का प्रयास कर रहा था। पूछताछ में बदमाश ने रायपुर में हुई गौकशी की घटना को भी उसी ने अंजाम दिया था।

मुठभेड़ में घायल बदमाश के खिलाफ डेढ़ दर्जन से अधिक मुकदमें दर्ज है। बदमाश से एक बाइक एक 12 बोर तमंचा एक खोका कारतूस एक जिन्दा कारतूस बरामद किया गया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।